दैनिक न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, रविवार 27 अप्रैल 2025 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-07, अंक- 205

महत्वपूर्ण एवं खास

भारत की 'वाटर स्ट्राइक' से बौखलाया पाकिस्तान, पीएम शहबाज शरीफ देने लगे खुली चुनौती

इस्लामाबाद। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत द्वारा सिंधु जल संधि को लेकर लिए गए सख्त रुख से पाकिस्तान सकते में है। पहले से ही आर्थिक तंगी से जूझ रहे पाकिस्तान को अब पानी की कमी का डर सताने लगा है। इसी बौखलाहट में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भारत को अप्रत्यक्ष रूप से चेतावनी देते हुए कहा है कि पाकिस्तान के पानी को रोकने की जुर्रत न करे, अन्यथा पाकिस्तानी सेना मुंहतोड़ जवाब देगी। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने एक बयान में कहा, पाकिस्तान के पानी को कम करने या मोडऩे की किसी भी कोशिश का पूरी ताकत से जवाब दिया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि किसी को भी इस मामले में कोई गलतफहमी नहीं होनी चाहिए। पाकिस्तान 240 मिलियन लोगों का देश है और हम अपनी बहादुर सशस्त्र सेनाओं के पीछे मजबूती से खड़े हैं। शरीफ ने स्पष्ट लहजे में कहा, सबको यह संदेश जोर से और साफ सुनाई देना चाहिए। शांति हमारी प्राथमिकता है। हम अपनी अखंडता और सुरक्षा पर कभी समझौता नहीं करेंगे। गौरतलब है कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने सिंधु जल संधि को निलंबित करने का बड़ा फैसला लिया है, जिस पर पाकिस्तान की ओर से तीखी प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। भारत के इस कदम को पाकिस्तान पर दबाव बनाने की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है, ताकि वह आतंकवाद को समर्थन देना बंद करे। भारत ने साफ कर दिया है कि जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद को पूरी तरह से खत्म नहीं करता, तब तक सिंधु जल संधि पर आगे बढऩा मुश्किल होगा। भारत के इस रुख से पाकिस्तान में खलबली मच गई है और पानी को लेकर उसकी चिंताएं बढ़ गई हैं।

निष्पक्ष जांच को तैयार : पहलगाम आतंकी हमले पर पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ

इस्लामाबाद । प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने शनिवार को कहा कि पाकिस्तान इस हफ्ते कश्मीर के पहलगाम में 26 लोगों की हत्या की किसी भी 'निष्पक्ष और पारदर्शी' जांच के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने आतंकवाद के सभी रुपों की आलोचना की है और देश खुद इसका शिकार रहा है। आतंकियों ने 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर में एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल – पहलगाम स्थित बैसरन घाटी में लोगों (ज्यादातर पर्यटक) पर अंधाधुंध गोलियां चला दी थीं। हमले में कम से कम 26 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। डॉन. कॉम के मुताबिक काकुल में पाकिस्तान मिलिट्री अकादमी में पासिंग-आउट परेड को संबोधित करते हुए, शहबाज शरीफ ने कहा कि भारत बिना किसी विश्वसनीय जांच या सत्यापन योग्य सबूत के आधारहीन और झूठे आरोप पाकिस्तान पर लगा रहा है। पाकिस्तानी पीएम ने कहा, एक जिम्मेदार देश के रूप में अपनी भूमिका को जारी रखते हुए, पाकिस्तान किसी भी निष्पक्ष, पारदर्शी और विश्वसनीय जांच में भाग लेने के लिए तैयार है। इस दौरान शहबाज शरीफ ने एक बार फिर जम्मू कश्मीर का राग अलापा।

हथियारबंद लोगों ने खेला मौत का तांडव, घर-घर जाकर 20 लोगों को उतारा मौत के घाट

अबुजा । नाइजीरिया के उत्तर-पश्चिमी जम्फारा राज्य के एक खनन गांव में हथियारबंद लोगों ने कम से कम 20 लोगों की हत्या कर दी और दर्जनों लोगों को घायल कर दिया। एमनेस्टी इंटरनेशनल नाइजीरिया ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि बंदूकधारी डैन गुलबी जिले के गोबिरावा चाली गांव में मोटरसाइकिलों पर पहुंचे और घर-घर जाकर लोगों की हत्या करना शुरू कर दिया। बंदूकधारियों का पहला लक्ष्य एक सोने की खदान वाली जगह थी, जहां उन्होंने शुरुआत में 14 लोगों की हत्या की, उसके बाद घरों और एक मस्जिद में और शव मिले। हमले का संभावित मकसद स्पष्ट नहीं था, लेकिन डाकू समूह संघर्ष-ग्रस्त उत्तरी क्षेत्र में सामूहिक हत्याओं और फिरौती के लिए अपहरण के लिए जाने जाते हैं, जिनमें से अधिकांश पूर्व चरवाहे हैं जो बसे हुए समुदायों के साथ संघर्ष में थे। दर्जनों सशस्त्र समूह नाइजीरिया के खनिज समृद्ध उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र में सीमित सुरक्षा उपस्थिति का लाभ उठाकर गांवों और प्रमुख सडक़ों पर हमले करते हैं। एमनेस्टी इंटरनेशनल नाइजीरिया ने अपने पोस्ट में कहा कि दान गुलबी जिले के लोगों पर बंदूकधारियों द्वारा बार-बार हमला किया गया है और वे लगातार संभावित हमले के डर में जी रहे हैं।

आतंकियों की उल्टी गिनती शुरू, घाटी में 14 दहशतगर्दों की लिस्ट तैयार

पहलगाम । आरएनएस

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना ने आतंकवादियों का सफाया करने के लिए कमर कस ली है। सेना ने घाटी में एक साथ कई बड़े ऑपरेशन शुरू किए हैं और अब तक सात आतंकवादियों के घरों को ध्वस्त कर दिया है। इसके साथ ही सेना ने घाटी में सक्रिय लोकल आतंकवादियों की एक विस्तृत सूची तैयार की है, जिससे अब उनकी 'उल्टी गिनती' शुरू मानी जा रही है।

सेना ने खुफिया जानकारी जुटाकर घाटी में इस समय सक्रिय 14 लोकल आतंकवादियों की पूरी कुंडली निकाल ली है। इन आतंकियों के बारे में सेना के पास विस्तृत जानकारी मौजूद है।

सेना द्वारा तैयार की गई सूची के अनुसार, सोपोर में लश्कर-ए-तैयबा का एक लोकल आतंकी सक्रिय है। अवंतीपोरा में जैश-ए-मोहम्मद का एक आतंकी और पुलवामा में लश्कर और जैश के दो-दो लोकल आतंकी सक्रिय बताए जा रहे हैं। शोपियां में हिजबुल मुजाहिदीन का एक और लश्कर के चार आतंकी मौजूद हैं, जबकि अनंतनाग में हिजबुल के दो लोकल आतंकी सक्रिय हैं। कुलगाम में भी लश्कर का एक लोकल आतंकी सेना की सूची में शामिल है।

सेना ने इन आतंकियों के सफाए का अभियान तेज कर दिया है। इसी कड़ी में, त्राल, अनंतनाग, पुलवामा, कुलगाम और शोपियां में चलाए गए सर्च ऑपरेशनों के दौरान सात आतंकवादियों के घरों को ध्वस्त कर दिया गया है। जिन आतंकियों के घरों पर कार्रवाई हुई है, उनमें शोपियां का शाहिद अहमद कुटी, पुलवामा के हारिस अहमद, त्राल का आसिफ शेख, अनंतनाग का आदिल ठोकेर और कुलगाम का जाकिर अहमद गनई शामिल है। (रिपोर्ट में पुलवामा के हारिस अहमद का नाम दो बार आया है, संभवत: ये दो अलग-अलग मामले हो सकते हैं। सेना की इस ताबड़तोड़ कार्रवाई से घाटी में सक्रिय आतंकियों में दहशत फैल गई है। सुरक्षाबलों के इस सख्त रुख के बाद उन्हें डर सता रहा है कि अगला नंबर उन्हीं का हो सकता है। सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि इन सूचीबद्ध आतंकियों का जल्द ही खात्मा किया जाएगा।

जम्मू-कश्मीर में लश्कर-ए-तैयबा के तीन आतंकियों के घर ढहाए गए

श्रीनगर । आरएनएस

जम्मू-कश्मीर के शोपियां, कुलगाम और पुलवामा जिलों में लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के तीन आतंकियों के घरों को प्रशासन ने ध्वस्त कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई शुक्रवार देर शाम और शनिवार को की गई।

पुलवामा जिले के मुरान गांव में आतंकी एहसान-उल-हक शेख का घर ढहाया गया। कुलगाम जिले के मटालहामा गांव में आतंकी जाकिर अहमद गनी का घर तोड़ा गया, जो 2003 से सक्रिय है। वहीं, शोपियां जिले के चोटीपोरा गांव में आतंकी शाहिद अहमद कुटे के घर को भी ध्वस्त किया गया, जो 2002 से आतंकी गतिविधियों में शामिल है।

इसके पहले, शुक्रवार को पहलगाम हमले में शामिल दो अन्य आतंकियों, आसिफ अहमद शेख (त्राल) और आदिल ठोकर (बिजबेहरा) के घरों को भी तोड़ा गया था।

पहलगाम आतंकी हमले पर पहली प्रतिक्रिया में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने कहा कि आतंकियों, उनके समर्थकों और प्रायोजकों को ऐसी सजा दी जाएगी, जिसके बारे में उन्होंने सोचा भी नहीं होगा।

बिहार के मधुबनी में एक सार्वजनिक सभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा- आज बिहार की सरजमीं से मैं पूरी दुनिया से यह कहना चाहता हूं कि भारत इन लोगों की पहचान करेगा, उन्हें ढूंढेगा और हर आतंकी तथा उनकी मदद करने वालों को सजा देगा। हम उन्हें पृथ्वी के अंतिम छोर तक खदेड़ देंगे। भारत की आत्मा को आतंकवाद कभी नहीं तोड़ सकता। इंसाफ मिले, इसके लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे।

इस बीच, जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सेना प्रमुख उपेंद्र द्विवेदी के साथ सुरक्षा समीक्षा की और सुरक्षा बलों को निर्देश दिया कि 22 अप्रैल को पहलगाम के बैसरन घाटी में निर्दोष नागरिकों की हत्या करने वालों को पकडऩे के लिए हर जरूरी बल का उपयोग करें। पिछले छह दिनों से ड्रोन, हेलीकॉप्टर और अन्य तकनीकों की मदद से बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चल रहा है।

खुफिया जानकारी के आधार पर जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त कर दिया गया है। अधिकारियों का कहना है कि आतंकी कश्मीरी पंडितों और घाटी में काम करने वाले गैर-स्थानीय लोगों को टारगेट कर सकते हैं।

गुजरात में अवैध प्रवासियों पर बड़ी कार्यवाई, अहमदाबाद और सूरत में 500 से ज्यादा संदिग्ध हिरासत में लिए

सूरत । आरएनएस

केंद्र सरकार के निर्देश पर गुजरात में अवैध प्रवासियों के खिलाफ बड़े पैमाने पर अभियान चलाया गया है। अहमदाबाद और सूरत में पुलिस ने 500 से अधिक संदिग्ध प्रवासियों को हिरासत में लिया है। अधिकारियों का कहना है कि इनमें से अधिकतर बांग्लादेशी नागरिक हैं, जिनके पास फर्जी भारतीय दस्तावेज भी मिले हैं।

अहमदाबाद क्राइम ब्रांच के डीसीपी अजीत राजियन ने बताया कि एसओजी, ईओडब्ल्यू, जोन 6 और हेडक्वार्टर टीमों के साथ मिलकर पूरे शहर में तलाशी अभियान चलाया गया। इस दौरान 400 से अधिक संदिग्ध विदेशी नागरिकों को हिरासत में लिया गया है। क्राइम ब्रांच के जेसीपी शरद सिंघल ने बताया, गृह राज्यमंत्री हर्ष सांघवी और डीजीपी के निर्देश पर चंडोला क्षेत्र में बड़े पैमाने पर कार्रवाई की गई। अब तक 457 अवैध प्रवासियों को पकड़ा जा चुका है। सभी से पूछताछ की जा रही है और डिपोर्टेशन की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है।

सूरत पुलिस की एसओजी और क्राइम ब्रांच टीमों ने शहर के विभिन्न इलाकों में छापेमारी कर 100 से अधिक अवैध बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया है। इन सभी से पूछताछ जारी है और उनके दस्तावेजों की जांच की जा रही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, हिरासत में लिए गए प्रवासियों में से कई के पास फर्जी भारतीय पहचान पत्र और अन्य दस्तावेज बरामद हुए हैं। इन दस्तावेजों की जांच के साथ-साथ यह भी पता लगाया जा रहा है कि इन्हें दस्तावेज बनवाने में किनकी मदद मिली।

पुलिस ने बताया कि इससे पहले दर्ज दो एफआईआर के तहत 127 बांग्लादेशी घुसपैठियों को गिरफ्तार किया गया था, जिनमें से 70 को पहले ही डिपोर्ट किया जा चुका है। शेष के खिलाफ भी डिपोर्टेशन की कार्रवाई जारी है। अधिकारियों का कहना है कि सभी अवैध प्रवासियों की पहचान और दस्तावेजी जांच पूरी कर जल्द से जल्द उन्हें देश से बाहर भेजने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

दर्दनाक हादसा : एक्सप्रेसवे पर सफाई कर रहे कर्मचारियों को पिकअप वाहन ने रौंदा, छह की मौत; पांच की हालत गंभीर

नूंह । आरएनएस

शनिवार सुबह नूंह जिले में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर एक दर्दनाक हादसा हुआ है। फिरोजपुर झिरका थाना क्षेत्र के इब्राहिमबास गांव के पास तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने सडक़ पर सफाई कार्य कर रहे छह कर्मचारियों को रौंद दिया। इस हादसे में छह सफाई कर्मचारियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पांच अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसा सुबह करीब 10 बजे हुआ जब करीब 10 सफाई कर्मचारी एक्सप्रेसवे पर सफाई कर रहे थे। अचानक आई तेज रफ्तार पिकअप ने उन्हें कुचल दिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि कई शव क्षत-विक्षत हो गए। घायलों को तत्काल नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई है।

घटना के बाद एक्सप्रेसवे पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। कुछ ही देर में रोड सुरक्षा एजेंसी और पुलिस टीमें मौके पर पहुंच गईं। हादसे की भयावहता देखकर लोग स्तब्ध रह गए। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान की जा रही है। चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। घटनास्थल से सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं ताकि हादसे के कारणों का पता लगाया जा सके।

यह हादसा दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर हो रहे लगातार हादसों की श्रृंखला में एक और गंभीर उदाहरण है। पहले भी इस मार्ग पर कोहरे, तेज रफ्तार और लापरवाही के चलते कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। इस हादसे ने एक्सप्रेसवे पर कार्यरत कर्मचारियों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

प्रशासन ने घटनास्थल पर यातायात को नियंत्रित कर लिया है और मृतकों के परिजनों को सूचना देने की प्रक्रिया जारी है। सोशल मीडिया पर भी इस हादसे को लेकर गहरा शोक और सडक़ सुरक्षा को लेकर आक्रोश व्यक्त किया जा रहा है।

'नेशनल गवर्नमेंट क्लाउड' में तकनीकी गड़बड़ी से प्रभावित आईटी सेवाएं हो रहीं बहाल : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली । आरएनएस

सुप्रीम कोर्ट ने शनिवार को कहा कि नेशनल गवर्नमेंट क्लाउड (एनजीसी) में तकनीकी गड़बड़ी आने के कारण कई सूचना संचार प्रौद्योगिकी आधारित सेवाएं प्रभावित हुई हैं। कोर्ट ने यह भी बताया कि प्रभावित सेवाओं को बहाल करने का काम जारी है।

एक नोटिस के जरिए बताया गया कि रजिस्ट्री से जुड़ी विभिन्न सूचना संचार प्रौद्योगिकी आधारित सेवाएं एनजीसी में तकनीकी गड़बड़ी के कारण प्रभावित रहीं।

सुप्रीम कोर्ट ने नोटिस में बताया, सुबह से ही नेशनल गवर्नमेंट क्लाउड (एनजीसी) में तकनीकी गड़बड़ी के कारण रजिस्ट्री द्वारा प्रदान की जाने वाली विभिन्न सूचना संचार प्रौद्योगिकी-आधारित सेवाएं, जैसे वेबसाइट, ई-फाइलिंग, एससीआर और डिजीएससीआर पोर्टल पर प्रतिकूल असर पड़ा है।

कोर्ट ने आगे कहा कि सभी संबंधित टीम सेवाओं की शीघ्र बहाली पर काम कर रही हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने आगे कहा, आपको हुई किसी भी असुविधा के लिए हमें खेद है। हम आपके धैर्य, समझ और सहयोग की सराहना करते हैं।

नेशनल गवर्नमेंट क्लाउड एक यूनिक क्लाउड सर्विस है। यह सर्विस एनआईसी के तहत विभिन्न सरकारी परियोजनाओं को दी जा रही है।

यह संगठनों को सिंगल एंड यूज पोर्टल का इस्तेमाल कर कई निजी और सार्वजनिक क्लाउड सेवाओं को चुनने की अनुमति देता है।

नेशनल गवर्नमेंट क्लाउड, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) द्वारा संचालित एक सुरक्षित डेटा सेंटर में कंप्यूट, स्टोरेज, डेटाबेस और नेटवर्क जैसी विभिन्न ऑन-प्रिमाइस सेवाएं प्रदान करता है।

सुप्रीम कोर्ट रजिस्ट्री अपने डिजिटलीकरण और डिजिटल संरक्षण प्रयासों के के रूप में क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर का इस्तेमाल करती है। इसमें नेशनल ज्यूडिशियल डेटा ग्रिड (एनजेडीजी) शामिल है।

राष्ट्रीय न्यायिक डेटा ग्रिड (एनजेडीजी) एक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म है, जो भारत में जिला और अधीनस्थ न्यायालयों और उच्च न्यायालयों के आदेशों, निर्णयों और मामले की डिटेल्स का डेटाबेस प्रदान करता है। एनजेडीजी ई-कोर्ट परियोजना के तहत बनाया गया है और देश के सभी कंप्यूटराइज्ड न्यायालयों की न्यायिक कार्यवाही से जुड़ा डेटा प्रदान करता है।

इसके अलावा, ई-कोर्ट सर्विस केस से जुड़ी जानकारियों और दूसरे संसाधनों तक ऑनलाइन पहुंच को सुनिश्चित करती है।

केस रिकॉर्ड और कोर्ट के आदेशों को डिजिटल बनाने में भी रजिस्ट्री सक्रिय रूप से शामिल है, जिससे उन्हें विभिन्न ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से सुलभ बनाया जा सके।

अटारी-वाघा सीमा पर बीएसएफ का अलर्ट, किसानों को दो दिन में फसल काटने का आदेश

अटारी । आरएनएस

अटारी-वाघा सीमा के पास रोड़ावाला गांव के गुरुद्वारा साहिब में एक महत्वपूर्ण घोषणा की गई। यह घोषणा पहलगाम में हुई एक घटना के बाद की गई। गांव के सरपंच तरसेम सिंह ने गुरुद्वारा साहिब में बीएसएफ (सीमा सुरक्षा बल) अधिकारियों के निर्देश पर यह घोषणा की।

घोषणा के अनुसार, जिन किसानों की जमीन भारत-पाकिस्तान सीमा के तारों के उस पार है, उन्हें दो दिन के भीतर अपनी फसल काट लेनी होगी। इसके बाद सीमा को पूरी तरह बंद कर दिया जाएगा और किसी भी किसान को फसल काटने की अनुमति नहीं दी जाएगी। गुरुद्वारा साहिब के बाबा ने इस दौरान उपस्थित लोगों को इस आदेश की गंभीरता को समझाते हुए तत्काल कार्रवाई करने की अपील की।

रोड़ावाला गांव के सरपंच तरसेम सिंह ने मीडिया से बातचीत में कहा, हमें बीएसएफ अधिकारियों से स्पष्ट निर्देश मिले हैं कि जिन किसानों की जमीन सीमा पार है, वे दो दिन के भीतर अपनी फसल काट लें। इसके बाद गेट बंद कर दिया जाएगा, और किसी को भी वहां जाने की इजाजत नहीं होगी। यह निश्चित रूप से एक मुश्किल समय है, लेकिन हम बीएसएफ के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं। देश और उसकी सुरक्षा हमारी पहली प्राथमिकता है। हमने अपने किसानों से अनुरोध किया है कि वे जल्द से जल्द अपनी फसलों की कटाई पूरी कर लें।

पीएम मोदी ने 51 हजार से अधिक युवाओं को बांटे नियुक्ति पत्र, बोले- आपके हाथों में देश का भविष्य

नई दिल्ली । आरएनएस

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए 'रोजगार मेला' के तहत 51 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति-पत्र प्रदान किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने युवाओं को संबोधित करते हुए युवा शक्ति की प्रशंसा करते हुए कहा कि भारत का युवा आज अपने परिश्रम और इनोवेशन से दुनिया को ये दिखा रहा है कि हममें कितना सामर्थ्य है।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों में 51 हजार से अधिक युवाओं को पक्की सरकारी नौकरी के पत्र दिए गए हैं। आज भारत सरकार के अलग-अलग विभागों में युवाओं के नए दायित्वों की शुरुआत हुई है। आपका दायित्व देश के आर्थिक तंत्र को मजबूत करना है, आपका दायित्व देश की आंतरिक सुरक्षा को मजबूत करना है, आपका दायित्व देश में आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण का है, आपका दायित्व श्रमिकों के जीवन में मूलभूत बदलाव लाने का है।

उन्होंने कहा कि जब युवा राष्ट्र के निर्माण में भागीदार होते हैं, तो राष्ट्र तेज विकास भी करता है और विश्व में अपनी पहचान भी बनाता है। भारत का युवा आज अपने परिश्रम और इनोवेशन से दुनिया को यह दिखा रहा है कि हममें कितना सामर्थ्य है। हमारी सरकार हर कदम पर यह सुनिश्चित कर रही है कि देश के युवाओं के लिए रोजगार-स्वरोजगार के अवसर बढ़ें। आज का यह समय भारत के युवाओं के लिए अभूतपूर्व अवसरों का समय है। आईएमएफ ने हाल ही में कहा है कि भारत, दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना रहेगा।

पीएम मोदी ने कहा कि इस बजट में सरकार ने मैन्युफैक्चरिंग मिशन की घोषणा की है। इसका उद्देश्य है- 'मेक इन इंडिया' को बढ़ावा देना और भारत के युवाओं को ग्लोबल स्टैंडर्ड वाले प्रोडक्ट बनाने का मौका देना। इससे न केवल देश की लाखों एमएसएमई को, हमारे लघु उद्यमियों को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि पूरे देश में रोजगार के नए अवसर भी खुलेंगे।

प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि देश में युवाओं के लिए नए-नए अवसर बन रहे हैं। कुछ ही दिन बाद विश्व दृश्य-श्रव्य एवं मनोरंजन शिखर सम्मेलन (वेव्स) 2025 का आयोजन होने जा रहा है। इस आयोजन के केंद्र में भी देश के युवा हैं। देश के यंग क्रिएटर्स को पहली बार इस तरह का मंच मिल रहा है।

अपने संबोधन में देश की बेटियों की तारीफ करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि भारत आज जो कीर्तिमान गढ़ रहा है उसमें हर वर्ग की भागीदारी बढ़ रही है और हमारी बेटियां दो कदम आगे ही चल रही हैं। हमारी नारीशक्ति ब्यूरोक्रेसी से लेकर स्पेस और साइंस के क्षेत्र में नई बुलंदियों को छू रही है। सरकार का विशेष ध्यान ग्रामीण महिलाओं के सशक्तिकरण पर भी है। भारत की बेटियां हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। यूपीएससी के नतीजों में दो महिलाओं ने शीर्ष दो स्थान प्राप्त किए हैं, जबकि तीन महिलाएं शीर्ष पांच में हैं। नौकरशाही, अंतरिक्ष और विज्ञान के क्षेत्र में नारी शक्ति नई ऊंचाइयों को छू रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा कि सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं पर विशेष ध्यान दे रही है, बैंक सखी, कृषि सखी और स्वयं सहायता समूह जैसी पहलों के जरिए नए अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। आज भारत में 90 लाख से ज़्यादा स्वयं सहायता समूह हैं, जिनसे 10 करोड़ से ज्यादा महिला सदस्य जुड़ी हैं। उनकी क्षमता को बढ़ाने के लिए सरकार ने उनके बजट को पांच गुना बढ़ा दिया है और बिना किसी गारंटी के 20 लाख रुपये तक का लोन मुहैया कराया है।